शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

***देश दीपक एवं **डॉ0 रश्मि गोरे**

*****शोध अध्येता, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर (उ0प्र0)

******सह आचार्या एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर (उ0प्र0)

सारांश

विद्यालय का विद्यार्थी के जीवन से घनिष्ठ सम्बन्ध है। किसी भी विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास विद्यालयी शिक्षा के बिना अधूरा है। विद्यालय में उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण करना तभी सम्भव है जब नियमतः विद्यार्थी विद्यालय में उपस्थिति होकर वहाँ के वातावरण, पाठ्यक्रम एवं विद्यालय के अन्य क्रियाकलापों के साथ उचित समायोजन करके अधिगम करें। इसी आधार पर प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। विद्यालय समायोजन के मापन के लिए प्रो0 ए0के0पी0 सिन्हा एवं प्रो0 आर0पी0 सिंह द्वारा निर्मित मापनी 'एडजस्टमेंट इन्वेन्ट्री फॉर कॉलेज स्टूडेन्ट्स' का उपयोग किया गया है। जिसके लिए न्यादर्शन विधि के रूप में 'स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शन विधि' का उपयोग करके हरदोई जिले के स्ववित्तपोषित शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् 200 बी0एड0 प्रशिक्षुओं एवं 200 डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं का चयन किया गया है। चयनित प्रशिक्षुओं पर उपकरण का प्रशासन करके उनके प्राप्तांकों को ज्ञात करके परिकल्पनाओं के सत्यापन के लिए क्रान्तिक अनुपात ज्ञात किया गया। निष्कर्ष रूप में बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में अन्तर है। जबकि महिला प्रशिक्षुओं में यह अन्तर नहीं है। बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं की लिंग भेद के आधार पर विद्यालयी समायोजन में समानता है। इसी प्रकार बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में अन्तर है।

***संकेत शब्द**–शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बी0एड0 प्रशिक्षु, डी0एल0एड0 प्रशिक्षु, विद्यालयी समायोजन।*

प्रस्तावना :–

शिक्षा मनुष्य के सर्वांगीण विकास की पूर्णता की अभिव्यक्ति है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य अपनी इच्छा शक्ति के बहाव पर सार्थक नियंत्रण बनाये रख सकता है (चौधरी, 2017)। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की उन्नति में विद्यार्थियों का विशेष योगदान होता है। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की उन्नति युवाओं की सकारात्मक सोच से हो सकती है। कोई भी इमारत तभी मजबूत हो सकती है, जब उसकी नींव मजबूत हो। जिस प्रकार इमारत की स्थिरता और मजबूती के लिए नींव का मजबूत होना आवश्यक है। उसी प्रकार एक अच्छे व सभ्य समाज के लिए युवा वर्ग स्वस्थ एवं अच्छे विचारों के हों। बच्चे के जन्म के पश्चात् सर्वप्रथम वह परिवार के सदस्यों के क्रियाकलापों का अनुसरण करता है तथा समाज के सदस्यों के साथ समायोजन करना सीखता है। जब बच्चा बड़ा होता है तो उसकी औपचारिक शिक्षा प्रारम्भ होती है। पहली बार विद्यालय जाने पर बच्चे को नवीन अनुभव प्राप्त होते हैं। विभिन्न प्रकार के वातावरण से सामंजस्य करना पड़ता है। यूँ कह सकते हैं वास्तव में बच्चे का सामाजिक प्राणी के रूप में विकास विद्यालय से ही प्रारम्भ होता है। विद्यालय समायोजन बच्चों के विकास की आधारशिला है। (एची, किम एवं किम) विद्यालय में बच्चों को जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में समायोजित करने की योग्यता प्रदान करते हैं और यह तभी सम्भव है जब शिक्षक अपने शिक्षक–प्रशिक्षण के समय विद्यालय में स्वयं को वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षक, सहपाठी एवं मूल्यांकन प्रणाली के साथ उचित सामंजस्यपूर्ण समायोजन कर सके।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का वर्तमान संदर्भ में अनेक कारणों से विशेष महत्व है, समायोजन निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। प्रत्येक प्राणी एक–दूसरे से किसी न किसी रूप में और किसी न किसी स्तर पर समायोजन करता ही है। मनुष्य एकाकी नहीं रह सकता। मनुष्य अपनी समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति अकेले नहीं कर सकता। एक–दूसरे से आपसी सहयोग से ही अपने कार्यों को पूरा कर सकता है। अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बच्चा जन्म से ही समायोजन करना प्रारम्भ कर देता है। जैसे–जैसे बच्चा बड़ा होता है। वह परिवार के साथ–साथ समाज एवं विद्यालय में भी समायोजन की स्थिति का सामना करना पड़ता है एवं अपने आप को समायोजित करने हेतु प्रयासरत् रहता है। विद्यार्थी अपने शैक्षिक जीवन के क्षेत्र में निरन्तर अपने आप को समायोजित कर प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा ग्रहण करता है। 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् वह स्नातक स्तर पर प्रवेश लेकर अकादमिक, व्यावयासिक शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ जीवन यापन के लिए निरन्तर प्रयासरत् रहता है और सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश करता है (मउली, 2017)।

विद्यार्थी के मन में जिज्ञासा, आकांक्षा, रूचि आदि के अनुसार वह शिक्षक बनने की इच्छा प्रकट करता है। एनसीटीई के मानकानुसार शिक्षक बनने के लिए न्यूनतम योग्यता डी0एल0एड0 एवं बी0एड0 प्रशिक्षण है। अतः डी0एल0एड0 या बी0एड0 प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवश्यक न्यूनतम योग्यता हो जाने पर स्नातक उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए प्रवेश लेता है। प्रवेश के पश्चात् विद्यालय या प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्रशिक्षणरत् प्रशिक्षुओं को समायोजन में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है यथा अनुशासनहीनता की समस्या, ड्रापआउट की समस्या, अपराध की प्रवृत्ति जिसमें उसे विद्यालय के वातावरण, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियाँ, परीक्षा प्रणाली, साथी, अध्यापक का व्यवहार, उपस्थिति, मूल्यांकन प्रणाली, दत्त कार्य आदि से समायोजन करना पड़ता है। यदि ठीक प्रकार से स्वयं को समायोजित नहीं कर पाते हैं तो प्रशिक्षुओं में अनुशासनहीनता की समस्या, अनुपस्थिति की समस्या, अपराध की प्रवृत्ति, नकल की प्रवृत्ति, दत्त कार्य समय से पूरा न करने की समस्या, शिक्षक एवं सहपाठियों से दुर्व्यवहार की समस्या आदि से स्वयं को संलिप्त पाते हैं जबकि हमारे भविष्य के निर्माण की कड़ी में प्रशिक्षुओं का स्वयं से विद्यालय में ठीक प्रकार से समायोजन करना आवश्यक है क्योंकि यही प्रशिक्षु प्रशिक्षण उपरान्त प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक शिक्षा तक के बच्चों को शिक्षित करेंगे। गोयल (2017) ने अपने शोध अध्ययन में निष्कर्ष पाया कि बी0एड0 पाठ्यक्रम का प्रबन्धन एवं अभियान्त्रिकी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की तुलना में अच्छा पाया गया। इसी क्रम में ली, सानो एवं एहन (2013), सिंह (2015), राजकुमार (2016), चौधरी (2017), एची, किम एवं किम (2018), शर्मा एवं कौशिक (2018) एवं यॉनसाँग (2020) आदि शोधार्थियों ने शैक्षिक या विद्यालयी समायोजन के परिप्रेक्ष्य में श्रेष्ठ या असन्तोषजनक समायोजन से सम्बन्धित परिणाम पाये। अतः शोधार्थी ने इन्हीं परिणामों, आवश्यकताओं एवं समस्याओं को अवलोकन करके बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन के परिप्रेक्ष्य में शोध अध्ययन करने का चयन किया।

प्रयुक्त पदों का संक्रियात्मक परिभाषीकरण –

बी0एड0 प्रशिक्षु एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षु – प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 स्तर के प्रशिक्षुओं से तात्पर्य उन पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं से है, जो स्ववित्तपोषित शिक्षक–प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् हैं।

विद्यालयी समायोजन –विद्यालयी समायोजन का तात्पर्य एक ऐसी प्रक्रिया से है जिसके द्वारा विद्यार्थी विद्यालय के साथ उचित तालमेल बैठाता है। इसके अंतर्गत वह अपने शिक्षकों, सहपाठियों, वातावरण, विद्यालय में उपस्थिति, विभिन्न क्रियाकलापों एवं विभिन्न परिस्थितियों में अपने को सन्तुलित करके समायोजन स्थापित करता है। विद्यालयी समायोजन कहलाता है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में विद्यालयी समायोजन से तात्पर्य हरदोई जिले के स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं द्वारा प्रो0 ए0के0पी0 सिन्हा एवं प्रो0 आर0पी0 सिंह द्वारा निर्मित 'एडजस्टमेंट इन्वेन्ट्री फॉर कॉलेज स्टूडेन्ट्स' के कारक 'विद्यालय समायोजन' से प्राप्त समंकों से है।

समस्या कथन –

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

शोध उद्देश्य–

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं का लिंगभेद के आधार पर विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध परिकल्पना–

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 के पुरुष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 के महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।
3. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् डी0एल0एड0 के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।
5. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।

परिसीमांकन–

1. प्रस्तुत शोध उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों तक सीमित है।
2. प्रस्तुत शोध में बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं को सम्मिलित किया गया है।

शोध उपागम –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मात्रात्मक शोध उपागम का प्रयोग किया गया है।

शोध का प्रकार –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में 'वर्णनात्मक अनुसंधान' की 'सर्वेक्षण विधि' का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् समस्त बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है।

न्यादर्श एवं न्यादर्शन विधि–

जनसंख्या की समस्त इकाइयों में से कुल 400 प्रशिक्षुओं का चयन किया गया है। जिनमें 200 बी0एड0 प्रशिक्षुओं एवं 200 डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं को 'सम्भावित न्यादर्शन विधि' की 'यादृच्छिक न्यादर्शन विधि' से न्यादर्श का चयन किया गया है।

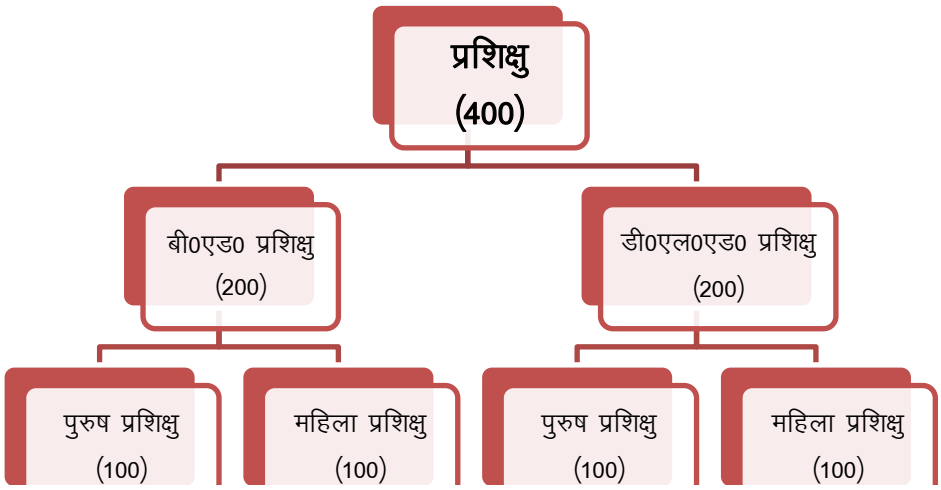

उपकरण–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन हेतु शोधकर्त्ता द्वारा प्रो0 ए0के0पी0 सिन्हा एवं प्रो0 आर0पी0 सिंह द्वारा निर्मित 'एडजस्टमेंट इन्वेन्ट्री फॉर कॉलेज स्टूडेन्ट्स' के पाँच कारकों में से 'विद्यालय समायोजन' कारक का प्रयोग समंकों के संकलन हेतु किया गया है। प्राप्त समंकों में जिस प्रशिक्षु के जितने कम अंक प्राप्त हैं उसका विद्यालयी समायोजन उतना ही श्रेष्ठ है।

सांख्यिकीय विश्लेषण–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में समंकों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रामाणिक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन के समंकों को आधार मानकर तथ्यों को वर्गीकृत कर विश्लेषण किया गया है।

H_{01} शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 के पुरुष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 1

बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व सार्थकता स्तर का विवरण

कुल पुरुष प्रशिक्षु	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (s or σ)	मानक त्रुटि ($SE_{D\ or}\ \sigma_D$)	क्रान्तिक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर	परिणाम
बी0एड0	100	5.90	4.33	0.51	3.13	>0.01	सार्थक
डी0एल0एड0	100	4.84	2.73				

df=198 के लिए सारणी मान $t_{.01} = 2.60$

उपर्युक्त तालिका संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 5.90 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 4.33 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का

मध्यमान (M) 4.84एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 2.73 प्राप्त हुआ तथाबी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन के मध्यमान की मानक त्रुटि $(SE_D \; or \; \sigma_D)$ 0.51 है। बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षु के मध्य सार्थक अन्तर की जाँच करने के लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना के पश्चात् मान 3.13 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश 198 के लिए सारणी मान 0.01 सार्थकता स्तर पर 2. 60 है जो प्राप्त क्रान्तिक अनुपात के मान से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन में अन्तर पाया गया। अतः सम्बन्धित प्रतिपादित शून्य परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरूष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरूष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।'' स्वीकृत होती है।

H_{02} शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 के महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 2

बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व सार्थकता स्तर का विवरण

कुल महिला प्रशिक्षु	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (s or σ)	मानक त्रुटि (SE_D or σ_D)	क्रान्तिक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर	परिणाम
बी0एड0	100	5.04	4.36	0.49	0.75	<0.01	असार्थक
डी0एल0एड0	100	4.67	2.20				

df=198 के लिए सारणी मान $t_{.01} = 2.60$

उपर्युक्त तालिका संख्या 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 5.04 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 4.36 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 4.67 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 2.20 प्राप्त हुआ तथा बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन के मध्यमान की मानक त्रुटि (SE_D or σ_D) 0.49 तथा मध्यमानों का अन्तर 0.37 है। बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षु के मध्य सार्थक अन्तर की जाँच करने के लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना के पश्चात् मान 0.75 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश 198 के लिए सारणी मान 0.01 सार्थकता स्तर पर 2.60 है जो प्राप्त क्रान्तिक अनुपात के मान से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर असार्थक है। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षु के विद्यालयी समायोजन में अन्तर नहीं पाया गया। अतः सम्बन्धित प्रतिपादित शून्य परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।'' अस्वीकृत होती है।

H_{03} शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 3

बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व सार्थकता स्तर का विवरण

कुल बी0एड0 प्रशिक्षु 200	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (s or σ)	मानक त्रुटि (SE_D or σ_D)	क्रान्तिक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर	परिणाम
पुरुष	100	5.90	4.33	0.61	1.41	<0.01	असार्थक
महिला	100	5.04	4.36				

df=198 के लिए सारणी मान $t_{.01} = 2.60$

उपर्युक्त तालिका संख्या 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षओुं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 5.90 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 4.33 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बी0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 5.04 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 4.36 प्राप्त हुआ तथा बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन के मध्यमान की मानक त्रुटि (SE_D or σ_D) 0.61 तथा मध्यमानों का अन्तर 0.86 है। बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के मध्य सार्थक अन्तर की जाँच करने के लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना के पश्चात् मान 1.41 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश 198 के लिए सारणी मान 0.01 सार्थकता स्तर पर 2.60 है जो प्राप्त क्रान्तिक अनुपात के मान से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर असार्थक है। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में अन्तर नहीं पाया गया। अतः सम्बन्धित प्रतिपादित शून्य परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।'' अस्वीकृत होती है।

H_{04} शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् डी0एल0एड0 के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 4

डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व सार्थकता स्तर का विवरण

कुल डी0एल0एड0 प्रशिक्षु	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (s or σ)	मानक त्रुटि (SE_D or σ_D)	क्रान्तिक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर	परिणाम
पुरुष	100	4.84	2.73	0.35	0.48	<0.01	असार्थक
महिला	100	4.67	2.20				

df=198 के लिए सारणी मान $t_{.01} = 2.60$

उपर्युक्त तालिका संख्या 4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षओुं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 4.84 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 2.73 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 4.67 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 2.20 प्राप्त हुआ तथा डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन के मध्यमान की मानक त्रुटि (SE_D orσ_D) 0.35 तथा मध्यमानों का अन्तर 0.17 है। डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के मध्य सार्थक अन्तर की जाँच करने के लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना के पश्चात् मान 0.48 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश 198 के लिए सारणी मान 0.01 सार्थकता स्तर पर 2.60 है जो प्राप्त क्रान्तिक अनुपात के मान से अधिक है। अतः 0.01 सार्थकता स्तर पर असार्थक है। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में अन्तर नहीं पाया गया। अतः सम्बन्धित प्रतिपादित शून्य परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् डी0एल0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत होती है और वैकल्पिक परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् डी0एल0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।'' अस्वीकृत होती है।

H_{05} शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या – 5

बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व सार्थकता स्तर का विवरण

कुल प्रशिक्षु	संख्या (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (s or σ)	मानक त्रुटि (SE_D or σ_D)	क्रान्तिक अनुपात (CR)	सार्थकता स्तर	परिणाम
बी0एड0	200	5.46	4.37	0.35	2.02	>0.05	**सार्थक**
डी0एल0एड0	200	4.75	2.49				

df=398 के लिए सारणी मान$t_{.05}$ = 1.97

उपर्युक्त तालिका संख्या 5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि बी0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 5.46 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 4.37 प्राप्त हुआ। इसी प्रकार डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन सम्बन्धी प्राप्तांकों का मध्यमान (M) 4.75 एवं प्रमाणिक विचलन (s or σ) 2.49 प्राप्त हुआ तथा बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन के मध्यमान की मानक त्रुटि (SE_D or σ_D) 0.35 तथा मध्यमानों का अन्तर 0.71 है। बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के मध्य सार्थक अन्तर की जाँच करने के लिए क्रान्तिक अनुपात की गणना के पश्चात् मान 2.02 प्राप्त हुआ जो स्वतन्त्रांश 398 के लिए सारणी मान 0.05 सार्थकता स्तर पर 1.97है। जो प्राप्त क्रान्तिक अनुपात के मान से कम है। अतः 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में अन्तर पाया गया। अतः सम्बन्धित प्रतिपादित शून्य परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।'' अस्वीकृत होती है और शोध परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है।'' स्वीकृत होती है।

शोध निष्कर्ष–

1. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है, जिसमें डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षुओं का विद्यालयी समायोजन बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष प्रशिक्षुओं की तुलना में अच्छा है।
2. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है। अर्थात् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षण की महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में समानता है।
3. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है। अर्थात् बी0एड0 प्रशिक्षण के पुरुष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में समानता है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् डी0एल0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है। अर्थात् डी0एल0एड0 के पुरूष एवं महिला प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में समानता है।
5. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में प्रशिक्षणरत् बी0एड0 एवं डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के विद्यालयी समायोजन में सार्थक अन्तर है, जिसमें डी0एल0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं का विद्यालयी समायोजन बी0एड0 प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं की तुलना में अच्छा है।

सन्दर्भ सूची–

एची, एस0;किम, एस0एच0 एवं किम, एन0एच0 (2018). ए स्टडी ऑफ स्कूल एडजेस्टमेंट रिलेटेड वैरिएबल्स ऑफ यंग चिल्ड्रेन. *साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ एजूकेशन, 38*(2). http://doi.org/10.15700/sajc.v38n2a1457

चौधरी, आर0 (2017). *बी0एस0टी0सी0 प्रशिक्षणार्थियों की समायोजन संबंधी समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन.* बियानी गर्ल्स बी0एड0 कॉलेज जयपुर राजस्थान.

गोयल, जे0एस0 (2017). *विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का जीविका वरीयता के सन्दर्भ में समायोजन एवं नैराश्य का एक अध्ययन.* अप्रकाशित पी–एच0डी0 शोध प्रबन्ध शिक्षाशास्त्र. शिक्षा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ. http://hdl.handle.net/10603/201417

जायसवाल, ए0 (2019). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन आयामों एवं उनके माता–पिता की सहभागिता आयामों के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन. *इण्टरनेशनल रिसर्च जनरल ऑफ मैनेजमेण्ट सोशियोलॉजी एंड ह्यूमिनिटीज, 10*(2). 67–75. http://www.irjmsh.com/article_pdf?id=7705.pdf

ली, वाई0एक्स0; सानो, एच0 एवं एहन, आर0 (2013). क्रॉस–कल्चरल एडजेस्टमेंट ऑफ चाइनीज स्टूडेन्ट्स इन जापान : स्कूल एडजेस्टमेंट एंड एजूकेशनल सपोर्ट. *इण्टरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोग्रेसिव एजूकेशन, 9*(3). 154–168. http://www.inased.org/ijpepi.htm

मॉली, डी0 (2017). अर्ली एडोलसेन्ट्सेज सोशल गोल्स एंड स्कूल एडजेस्टमेंट. *सोशल साइकोलॉजी ऑफ एजूकेशन : एन इण्टरनेशनल जर्नल, 20*(2). http://dx.doi.org/10.1007/s11218-017-9380-3

राजकुमार (2016). बी0एड0 कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समायोजन का अध्ययन. *एसियन जर्नल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी, 6*(2). 57–60. http://www.tspmt.com

शर्मा, आर0डी0 एवं कौशिक, एन0के0 (2018). सीकर जिले के हाईस्कूल स्तर के छात्र छात्राओं के समायोजन का अध्ययन. *एरो इन्टरनेशनल रिसर्च जर्नल,* XIV.

सिंह, एस0 (2015). विद्यालयी शिक्षा स्तर पर आवासीय एवं गैर आवासीय विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन. *परिप्रेक्ष्य (न्यूपा), 22*(1).

यॉनसाँग, वांग (2020). डेवलपिंग अ स्कूल अटेंडेंस रीजन स्केल एंड इट्स रिलेशनशिप विद चाइनीज स्टूडेन्ट्स स्कूल एडजस्टमेंट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्कूल एंड एजूकेशन साइकोलॉजी, 8*(1). https://doi.org/10.1080/21683603.2019.1582380https://eric.ed.gov/?q=School+Adjustment&id=EJ1279628